राष्ट्रीय हिन्दी मेल, भोपाल

9 JAN 2011

खजुराहो आने वाले पर्यटकों में रिकार्ड वृद्धि

वार्ता

खजुराहो, 8 जनवरी। चंदेलकालीन पाषाण शिल्प के अनूठे मंदिरों के लिये विश्वविख्यात खजुराहो आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2010 में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है जो यहां के पर्यटन उद्योग से जुड़े व्यवसायियों के लिये सुनहरा वर्ष माना जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग खजुराहो से प्राप्त अधिकृत जानकारी के अनुसार वर्ष 2010 में दो लाख 10 हजार 74 देशी और 90 हजार 721 विदेशी पर्यटकों ने खजुराहो की अदभुत शिल्पकला को देखा जबकि वर्ष 2009 में दो लाख 28 हजार 503 देशी तथा 68 हजार 839 विदेशी पर्यटक खजुराहो आये थे वर्ष 2000 में दो लाख 47 हजार 996 देशी और मात्र 62 हजार 357 विदेशी पर्यटक थे। विदेशी पर्यटकों की संख्या प्रतिवर्ष दस प्रतिशत कम या अधिक हुई और वर्ष 2007 में यह संख्या उछलकर 84 हजार 887 हो गई। 2008 में 89 हजार 174 हो गई। खजुराहो के मंदिरों को सदियों तक महफूज रखने हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं संरक्षण विभाग सतत् प्रयत्नशील है और पश्चिमी समूह मंदिरों पर गत एक हजार वर्षों में जमी काई की पर्त निकाली जा रही है इसके साथ ही पूर्वी तथा दक्षिणी समूह मंदिरों के आसपास सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। विश्व धरोहर में सम्मिलित खजुराहो आज भी एक (शेष पेज 9 पर)

खजुराहो आने वाले पर्यटकों में रिकार्ड वृद्धि

गांव है जहां पुराने मकान.छोटी.छोटी गलियां.कुओं से पानी जाती परिहारनें गाय के गोबर से लीपे गये चबूतरों और सफेद रंग की बार्डर विदेशियों को आकर्षित करती है और ग्रामीण परिवेश की तस्वीरें उनके कैमरों में कैद होकर दूरन्देश जाती है। पिछले पचास वर्षों में खजुराहो पूरा बदल गया। यहां अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा.रेल्वे स्टेशन. पांच सितारा होटल और वातानुकूलित वाहन दौडते हैं लेकिन प्राचीन परिवेश का स्मरण दिलाते तीज त्यौहार विवाह संस्कार आदि पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहते हैं। इसके साथ ही खजुराहो के 25 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घडियाल अभयारण्य (पन्ना राष्ट्रीय उद्यान) हीरा खदानें आदि भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं।